

चार्वाक दर्शन में नैतिकता और नैतिक मूल्यों की अवधारणा

चार्वाक दर्शन में नैतिकता और नैतिक मूल्यों की अवधारणा : चार्वाक दर्शन, जिसे लोकायत दर्शन भी कहा जाता है, भारतीय दर्शन की एक नास्तिक और भौतिकवादी शाखा है। यह दर्शन मुख्य रूप से प्रत्यक्ष अनुभव और तर्क पर आधारित है और इसमें धार्मिक अनुष्ठानों, आत्मा और परलोक की अवधारणाओं को अस्वीकार किया गया है। नैतिकता और नैतिक मूल्यों के संदर्भ में, चार्वाक दर्शन का दृष्टिकोण यथार्थवादी और भौतिकवादी है।

नैतिकता की अवधारणा : चार्वाक दर्शन में नैतिकता की अवधारणा को समझने के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर विचार किया जा सकता है :

- 1. सांसारिक सुख और भोग :** चार्वाक दर्शन का मुख्य सिद्धांत है "यावज्जीवेत सुखं जीवेत ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्"। इसका अर्थ है कि जब तक जीवन है, तब तक सुख और आनंद का भोग करो, चाहे इसके लिए कर्ज ही क्यों न लेना पड़े। इस सिद्धांत के अनुसार, जीवन का मुख्य उद्देश्य भौतिक सुख और भोग का आनंद लेना है। नैतिकता का मूल्यांकन इस बात पर आधारित होता है कि क्या वह व्यक्ति के सुख और आनंद को बढ़ावा देती है।
- 2. तर्कसंगत नैतिकता :** चार्वाक दर्शन में नैतिकता को तर्कसंगत दृष्टिकोण से देखा जाता है। नैतिकता के नियम और मानदंड तर्क और प्रत्यक्ष अनुभव पर आधारित होने चाहिए। चार्वाक दर्शन में धार्मिक और आध्यात्मिक नैतिकताओं को अस्वीकार कर दिया गया है, क्योंकि वे तर्क और प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से सिद्ध नहीं हो सकतीं।
- 3. स्वार्थ और समाज :** चार्वाक दर्शन में स्वार्थ और सामाजिक नैतिकता का संतुलन महत्वपूर्ण है। व्यक्ति को अपने भौतिक सुख और आनंद का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन इसके साथ ही उसे समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारियों का पालन करना चाहिए। सामाजिक नैतिकता का पालन इस दृष्टिकोण से किया जाता है कि यह व्यक्ति के दीर्घकालिक सुख और आनंद को सुनिश्चित करता है।
- 4. अधिकार और कर्तव्य :** चार्वाक दर्शन में अधिकार और कर्तव्य की अवधारणा भी महत्वपूर्ण है। व्यक्ति को अपने अधिकारों का उपयोग करना चाहिए, लेकिन उसे अपने कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। कर्तव्यों का पालन समाज के प्रति नैतिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाता है।

डॉ. श्रवण कुमार मोदी

सहायक प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र विभाग

शिवदेनी राम अयोध्या प्रसाद महाविद्यालय

बारा चकिया, पूर्वी चम्पारण

मो0-9608685335

Email Id- shrawankumarmodi1973@gmail.com